दिनांक 21.02.2019

स्वच्छ भारत अभियान स्वच्छ एवं सुदर भिलाई

भिलाईनगर/ जिला मलेरिया विभाग के प्राप्त जानकारी अनुसार निगम क्षेत्रान्तर्गत वार्ड 28 छावनी बस्ती से संहेदास्पद डेंगू का एक मरीज जिला चिकित्सालय में भर्ती हुआ है जानकारी प्राप्त होते ही निगम आयुक्त एस0के0 सुंदरानी के दिये गये निर्देशों के परिपालन में शिविर दल द्वारा 21 फरवरी को छावनी बस्ती के अंतर्गत आदिवासी मोहल्ला में निवासरत् प्रभावित मरीज श्रीमती सरिता ठाकुर पति किशोर कुमार ठाकुर उम्र 40 वर्ष यादव सायकल स्टोर्स के पास निवासरत् है से घर सम्पर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई प्राप्त जानकारी अनुसार उपरोक्त मरीज 16 फरवरी को हाथ-पैर में दर्द हुआ अगले दिन सिर दर्द बुखार की शिकायत प्रारम्भ हुई ठीक नहीं होने पर 18 फरवरी को छावनी सरकारी अस्पताल दिखाया गया जहां खुन जांच करने के उपरान्त एन- 01, एस-01 पाजिटीव होने पर जिला अस्पताल दुर्ग रिफर किया गया जहां आवश्यक उपचार दिया गया। जिला चिकित्सालय में उपचार लेने के उपरान्त स्वास्थ्य में सुधार होने पर 20 फरवरी को डिस्चार्ज कर दिया गया। परिवार में कुल 03 सदस्य है जो कि अन्य 02 सदस्य वर्तमान में स्वस्थ्य है।

निगम क्षेत्रान्तर्गत सतत् जनसमुदाय में जनजागरुकता लाने हेतु वार्ड में सेवारत् मितानिनों एवं आरोग्य समिति के सदस्यों को स्वाईन फ्लू /डेंगू के बचाव/ सुरक्षा के लिए शिविर दल द्वारा प्रेरित किया जा रहा है तथा अपने मोहल्ले में मितानिनों द्वारा घर-घर सम्पर्क कर आवश्यक स्वास्थ्य शिक्षा दी जा रही है। विगत् दिनों 18 फरवरी से 21 फरवरी तक शिविर दल द्वारा वार्ड 19 शास्त्रीनगर केम्प- 01, वार्ड 12 कान्ट्रेक्टर कालोनी , वार्ड 14 रामनगर मुक्तिधाम के अंतर्गत बाम्बे आवास,अटल आवास, बसंत विहार कालोनी, वार्ड 28 छावनी बस्ती अंतर्गत आदिवासी मोहल्ला (देवारपारा) में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर 373 मरीजों का पंजीयन कर (जिसमें दस्त- 06, उल्टी-02, बुखार-30, अन्य 335) रोग निरोधक दवाईयां दी गई। बुखार से प्रभावित मरीजों का खुन जांच हेतु रक्त पट्टिका तैयार कर लैब भेजा गया। 21 ओआरएस के पैकेट का वितरण किया गया। गृह भेंट के दौरान 615 पाम्पलेट का वितरण किया गया।

आयोजित शिविर के साथ-साथ 1520 घरों मे घर-घर सम्पर्क कर स्वास्थ्य शिक्षा दी गई मच्छर उन्मूलन हेतु नालियों एवं गंदे स्थानों में 05 स्प्रेयर पम्प द्वारा 4100 एमएल मैलाथियान का छिड़काव कराया गया , साथ ही 139 कूलर में भी व्यस्क मच्छरों के घनत्व को कम करने हेत मैलाथियान के घोल का छिड़काव कराया गया। उपरोक्त सम्पूर्ण सर्वेक्षण एवं शिविर कार्य में शहरी परिवार केन्द्र सुपेला , जिला मलेरिया विभाग , राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन , के शहरी कार्यक्रम प्रबंधक एवं मितानिनों का सहयोग प्राप्त हुआ।

आयुक्त श्री सुंदरानी द्वारा जानकारी दी गई कि स्वाईन फ्लू एक श्वसन तंत्र का संक्रामक रोग है इस रोग के फैलने का सबसे बड़ा कारण ज्यादातर लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता का अभाव होना है यह रोग 65 वर्ष से ज्यादा आयू के व्यक्ति , 5 वर्ष से कम आयू के बच्चे , गर्भवती महिला एवं अन्य बिमारी जैसे- एचआईवी, क्षय रोग (टीबी), मधूमेह (डायबिटीज), ह्रदयरोग (हार्टडीजीज), कर्करोग (कैंसर) इत्यादि से

प्रभावित व्यक्तियों को जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कम होती है ऐसे व्यक्तियों को संक्रमण की संभावनाएं ज्यादा होती है।

आयुक्त द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि आप स्वाईन फ्लू के संक्रमण से बचाव/सुरक्षा हेतु स्वतः जागरुक हो , इस बिमारी से घबरायें नहीं बल्कि बचाव हेतु खांसते या छिकते समय अपने मुंह और नाक पर नाक को रुमाल से बांधकर रखें , बीमार व्यक्ति से दूरी बनाकर रखें। सार्वजनिक स्थान, भीड़भाड़ वाली जगह में जाने से बचें, खुब पानी पीये, पोषक भोजन करें भरपूर नींद लें, सर्दी खांसी एवं सांस लेने में तकलीफ होने पर तुरंत अपने वार्ड में कार्य कर रही एएनएम , मितानिन, से सम्पर्क करें उनके सहयोग प्राप्तकर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जाकर डाक्टरी सलाह लें और उपचार करायें।